लइकन खातिर बाइबिल प्रस्तुति

प्रस्तुतकर्ता

जब ईश्वर सबकुछ बनवलन

लेखक: Edward Hughes

अनुवादकः सुरेश मसीह

ब्याख्याकर: Byron Unger; Lazarus

अनुकूलित: Bob Davies; Tammy S.

कहानी 1 से 60

www.M1914.org

Bible for Children, *PO Box 3, Winnipeg, MB R3C 2G1 Canada*

अनुज्ञापत्रः आप ए कहानीन क छाया प्रति मुद्रण करा सकीं ला बशर्ते की आप ओके बेचब ना।

Bhojpuri

हमनी के बनवलस ? ईश्वर के पक्कि वचन बाइबिल बतावेला कि मानव जाति के शुरुआत कैसे भइल । बहुत पहिले ईश्वर पहिला इंसान के बनवलन आ ओकर नाम आदम रखलन । ईश्वर धरती के धूल से आदम के बनवलन ।

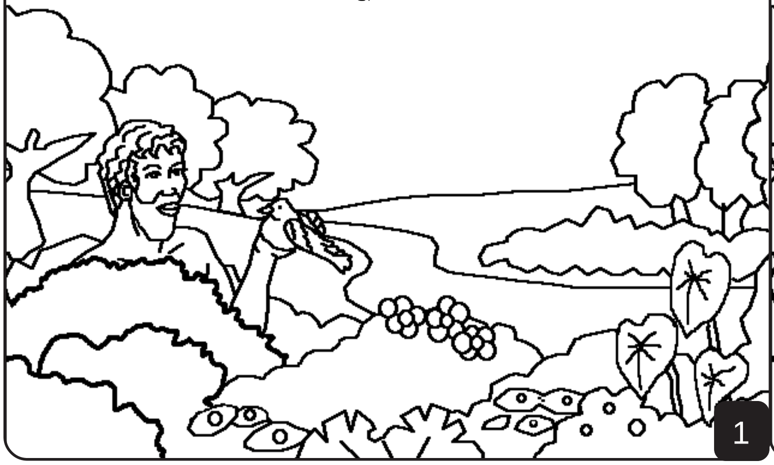

1

जब उ उनका में सांस फूँकलनए आदम में जान आ गइल । आदम अपना के इडेन नाम के एगो खूब सुन्दर बगीचा में पवलन ।

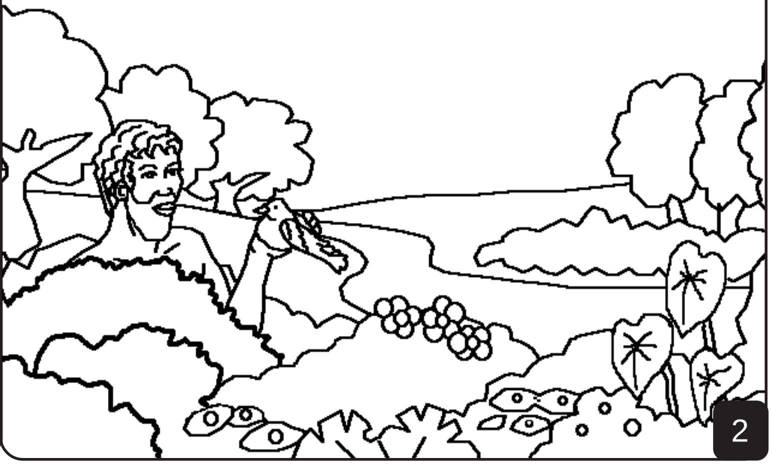

2

आदम के बनावे से पहिलेए उ खुबसुरत चीज से भरल सुन्दर संसार बनवलन । बारी बारी से उ पहाडी ईलाकाए सुन्दर घास के मैंदानए गमकउवा फूलए उच्चा उच्चा पेंड पौधाए चमकौवा पंख वाली चिरई चुरुंग भनभनाये वाली मधुमक्खीए लोटेवाली हवेल मछली आ छलकउआ घोंघा बनवलन ।

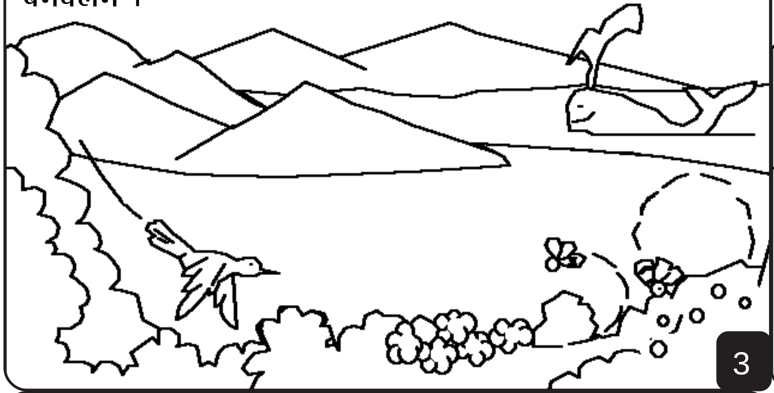

3

वास्तव मेंए ईश्वर उ सबकुछ बनवलन जवन आज हमनी के बीच मे मौजूद बा ।

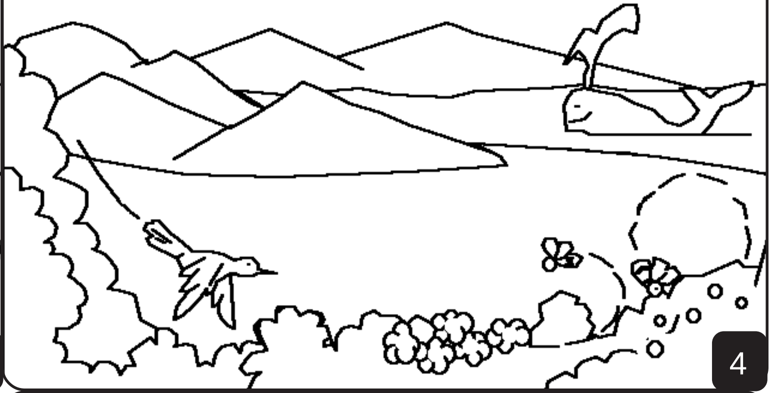

4

जब ईश्वर सबकुछ बनवलन ओकरा पहिले ईश्वर के अलावे एह दुनिया में कुछ भी ना रहे । ना आदमी ना जगह ना कवनो सामान । कुछ ना ।ना अंजोर ना अंधकार ना प्रंकाश । ना उपर ना नीचे । ना बितल काल ना आवे वाला काल । खाली ईश्वर रहलन जेकर कवनो शुरुआत ना रहे । तब उ काम कइलें ! शुरु में उ र्स्वग आ धरती के बनवले ।

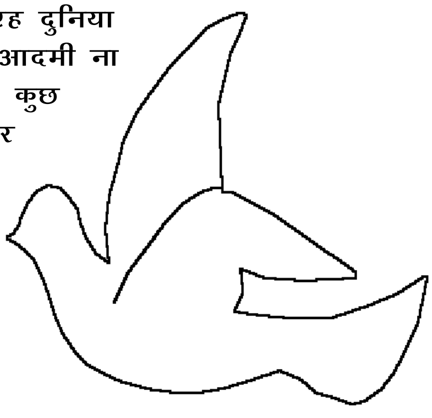

5

ओह समय धरती के बिना रुप आ आकार के रहे । आ अंधकार चारो ओर फइलल रहे । तब ईश्वर बोललें “अंजोर हो जाउ” ।

6

आ अंजोर हो गइल । ईश्वर ओकरा के अंजोर के दिन कहलनआ अंधकार के रात कहलन । इ सुबह आ शाम मिला के पहिला दिन रहे ।

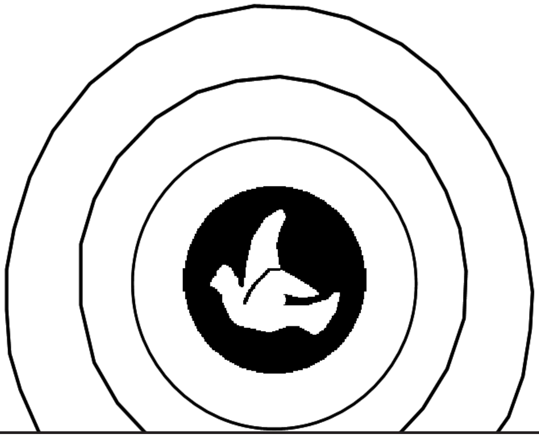

7

दूसरा दिने ईश्वर सब सागर समुन्द्र आ झील के पानी के एक साथ कइलन । तीसरा दिने ईश्वर कहलन ष्सुखल जमीन दिखाई देउ ष आ ओसही भईल ।

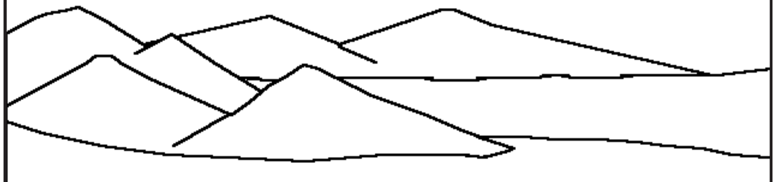

8

ईश्वर घास फल फूल झाडी आ पेंड पौधा सब के दिखाई देबे के कहलन आ उ सब दिखाई देबे लगलन । ई सुबह आ शाम मिलाके तीसरा दिन रहे ।

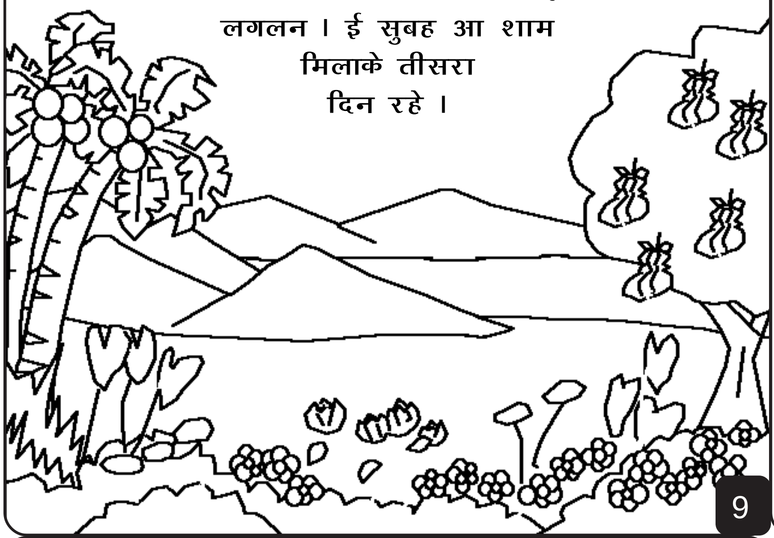

9

तब ईश्वर सुरज चन्द्रमा आ खुब ढेर तारा बनवलन जेकरा कोई गिन ना सकत रहे । ई सुबह आ शाम मिलाके चौथा दिन रहे ।

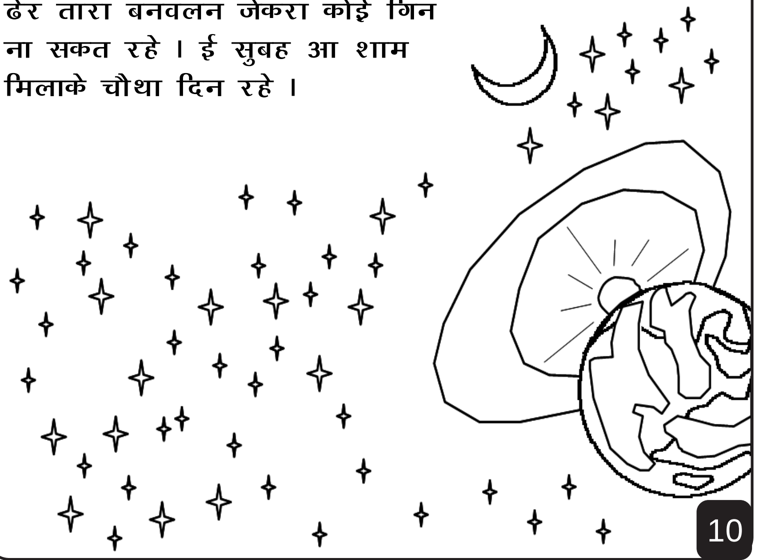

10

ईश्वर के अगिला सूची मे समुन्दर के मछली आ जीव-जन्तु आ चिडिया रहलीन । पाँचवां दिन बडकी बडकी तेंगा मछली आ छोटकी छोटकी सारडीन मछलीन के लम्बा लम्बा पैर वालीशुतुरमुर्ग के आहमेशा खुश रहेवाली आ गुनगुनाए वाली छोटी छोटी चिडियन के बनवलन ।

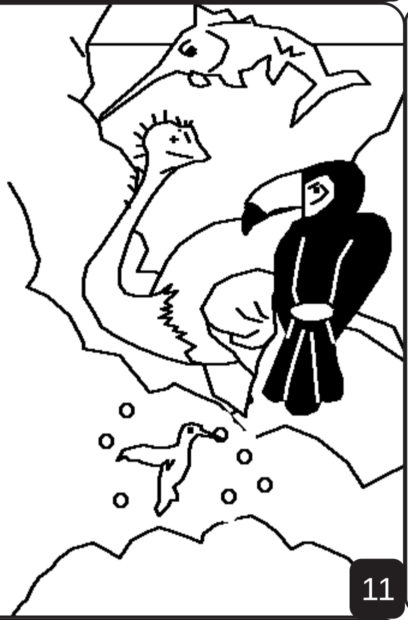

11

धरती के पानी के भरे खातीर ईश्वर हर प्रकार के मछलीन के बनवलन आ आकाश पताल आ समुन्दर के मजा उठावे खातीर हर प्रकार के चिडियन के बनवलन । सुबह आ शाम मिलाके इ पाँचवां दिन रहे ।

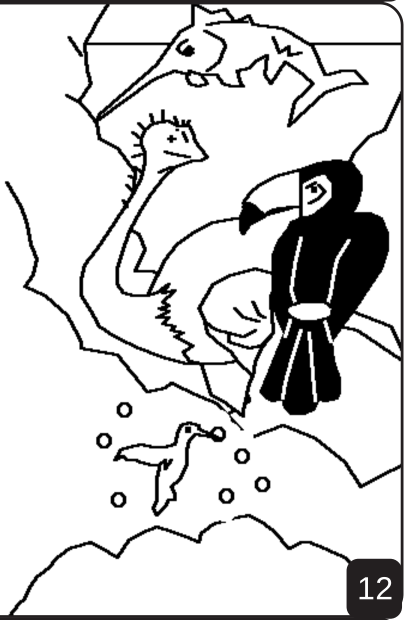

12

ओकरा बाद ईश्वर बोललन । उ कहलन, “धरती जीवित जीव-जन्तु आ प्राणी से भर जाउ ...” हर प्रकांर के जीव-जन्तु, कीडा-मकोडा आ रेंग के चलेवाला जीव पैदा होगइले । धरती के हिला देबेवाला हाथी, व्यस्त उदबिलाव, नटखट बन्दर, फूहड आ गन्दा घडियाल पैदा हो गइंले । हिले डोले वाला कीडा, गिलहरी आ लमगोड जिराफ आ मन्दबुद्धि वाली बिल्लीयाँ पैदा हो गई । ओह दिने ईश्वर हर प्रकार के जीव-जन्तुं बनवलन । सुबह आ शाम मिला के इ छठवाँ दिन रहल ।

13

छठवाँ दिन ईश्वर कुछ हट के कइलन, बिल्कुल खास । अब सब कुछ मानव खातिर बन के तैयार हो गइल रहें । उनकां खातिर खेत मे भोजन रहे आ उनकर सेवा खातिर जानवर तैयार रहलन । आ तब ईश्वर कहलन, “अब चली, आ अपना रुप में इंसान के बनावल जाउ । धरती पर जे कुछ भी बा ओकर मालिक बनाई ।” एही से ईश्वर मानव के अपना रुप में बनवलन, अपना रुप में ।

14

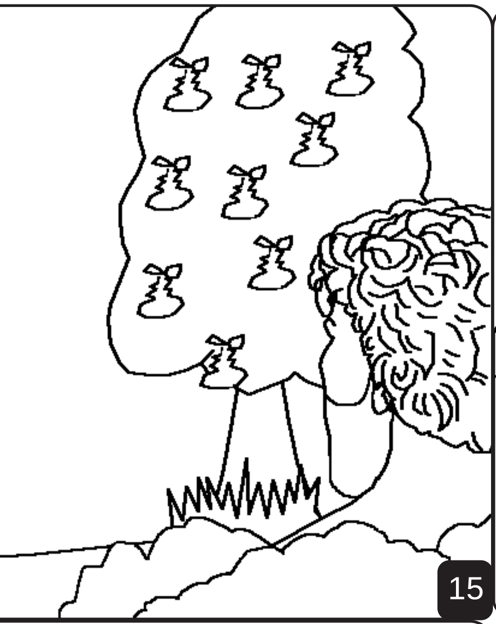

ईश्वर आदम से कहलन, “एह बगिचा से जे कुछ तु चाहताड, तु खा । बाकि अच्छा-बुरा के ज्ञान वाला पेंड के फल मत खइह । यदि तु ओह पेंड के फल खइब त, जरुरे तु मर जइब ।”

15

तब ईश्वर हमनी के मालिक कहलन, “इ बढिया बात नईखे कि इंसान अकेले रहो । हम इनकर सहायक बनाईब ।” ईश्वर सब चिडिया, जीव-जन्तु के आदम के आगे रखलन । आदम सबकर नाम रखलन । आदम एह काम में जरुर खुब चालाक होइहन । बाकि ओह सब चिडिया आ जीव-जन्तु में आदम ायक केहु ना रहे ं।

16

तब ईश्वर आदम के खुब गहरी निन्द में सुला दिहले । सुतल आदमी के देह से एगो पसली निकाल के, ओह पसली से ईश्वर हेवा के बनवलन ं। उ औरत जेकरा के ईश्वर बनवलन, सही मायने में आदम के सहायक लायक रहलीन ।

17

ईश्वर सब कुछ एह छः दिन मे बनवलन । तब ईश्वर सातवाँ दिन के आशिष दिहलन आ एह दिन के आराम के दिन कहलन । इडन नामक बगिचा में आदम आ हेवा उनकर औरत, ईश्वर के आज्ञा के पालन करते हुए पूरे खुशी से जीवन बितावे लगलन । ईश्वरे उन लोगन के मालिक, दाता आ उनकर मित्र रहलन ।

18

जब ईश्वर सबकुछ बनवलन

पबितर बाइबिल, परमेश्वर की वचन में से
ई कहानी लीहल गइल बा

उत्पति १-२

"तोहरी बातन की खुलला से उजियार होला"
भजन संहिता 119:130

ईश्वर जानेलन कि हमनी के बुरा करम कइले बानी जा जेकरा के उ पाप कहेलन । पाप के दण्ड मौत ह।

ईश्वर हमनी के एतना प्यार करेलन कि उ आपना एक मात्र बेटा यीशु के घरती पर भेजलन कि उ क्रूस पर मर जास आ हमनी के पाप के दण्ड अपने चुकावसु । यीशु जीगइलन आ परलोक गइलन । अब ईश्वर हमनी के पाप क्षमा कर सकेलन ।

यदि रउआ भी अपना पाप से दूर होखल चाहतानी ईश्वर से इ बात कही : हे प्रियवर यीशु हम विश्वास करीना कि यीशु हमनी खातीर मर गइलन आ अब जीवित बाडन । मेहरबानी करके रउअ ा हमरा जीवन मे आ जाईं अउर हमरा पाप के क्षमा दीही ताकि हमरा के नया जीवन मिल सको । अउर हम हमेशा रउरा संगे रह सकी । हमरा के रउआ मदद करी कि हम राउर बच्चा के तरह रउरा खातीर जी सकी आमीन ।

हमनी के बाइबिल पढीजा आ रोज दिन ईश्वर से बात करीजा !